कोलंबो सुरक्षा कॉनक्लेव: नया सहयोग रोडमैप

समाचार-संदर्भ: 25-26 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: क्षेत्रीय संगठन, हिंद महासागर, सदस्य देश

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-II, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और क्षेत्रीय सुरक्षा

खबरों में क्यों

कोलंबो सुरक्षा कॉनक्लेव (CSC) की आठवीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तरीय बैठक **25 नवंबर 2026** को मालदीव के विला नॉटिका पैराडाइज़ आइलैंड में हुई। बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में **2026-27 के सहयोग रोडमैप** को अपनाने की जानकारी दी गई। रोडमैप में सहयोग के पाँच स्तंभों के अंतर्गत प्रमुख कार्य और प्रस्तावित गतिविधियाँ शामिल हैं। भारत का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने किया।

इस घटनाक्रम का महत्व केवल नई बैठक में नहीं है। प्रश्न यह है कि साझा सुरक्षा चिंताओं पर बनी सहमति को प्रशिक्षण, सूचना-साझेदारी और आपदा के समय प्रभावी सहयोग में कैसे बदला जाए।

कॉनक्लेव क्या है

CSC हिंद महासागर क्षेत्र में साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने का एक क्षेत्रीय सहयोग मंच है। इसके छह सदस्य **भारत, मालदीव, मॉरीशस, श्रीलंका, बांग्लादेश और सेशेल्स** हैं। आठवीं बैठक में **ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया अतिथि देश** थे, सदस्य नहीं। मॉरीशस ने वर्चुअल माध्यम से भाग लिया।

सदस्यता और भागीदारी अलग हैं: किसी देश का सदस्य होना यह सिद्ध नहीं करता कि उसका प्रतिनिधिमंडल हर बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित था या उसने उस बैठक के सभी दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर किए।

सहयोग के पाँच स्तंभ

स्तंभ	सरल अर्थ
समुद्री सुरक्षा एवं संरक्षा	समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा और सुरक्षित संचालन के लिए सहयोग
आतंकवाद और कट्टरपंथ का मुकाबला	संबंधित खतरों के विरुद्ध साझा प्रयास
तस्करी और सीमा-पार संगठित अपराध	देशों की सीमाओं से परे सक्रिय आपराधिक नेटवर्क से निपटना
साइबर सुरक्षा	महत्वपूर्ण अवसंरचना और प्रौद्योगिकी की सुरक्षा सहित डिजिटल खतरों का सामना
मानवीय सहायता एवं आपदा राहत	आपदा या संकट के दौरान सहायता और राहत का समन्वय

मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) का अर्थ संकटग्रस्त लोगों तक राहत पहुँचाने और आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए सहयोग है। यह CSC के सुरक्षा एजेंडे को केवल सैन्य विषयों तक सीमित नहीं रहने देता।

आठवीं बैठक में क्या तय हुआ

- **नया रोडमैप:** सदस्यों ने 2026-27 के लिए पाँच स्तंभों पर आधारित सहयोग का रोडमैप अपनाया। संयुक्त वक्तव्य सहमत कार्यवृत्त और रोडमैप पर हस्ताक्षर की जानकारी देता है।
- **पिछले काम की समीक्षा:** पहले महासचिव, सेवानिवृत्त वाइस एडमिरल एस.एन. घोरमाडे ने सातवीं बैठक के निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा प्रस्तुत की। सातवीं बैठक **20 नवंबर 2025 को नई दिल्ली** में हुई थी।
- **सहयोग की निरंतरता:** प्रशिक्षण, क्षमता-निर्माण और सर्वोत्तम कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान के माध्यम से पाँच स्तंभों को आगे बढ़ाने पर जोर रहा। क्षमता-निर्माण का अर्थ संस्थाओं और कर्मचारियों की काम करने की योग्यता, संसाधन और तैयारी बेहतर करना है।

संस्थागत यात्रा

पड़ाव	सत्यापित तथ्य
2011	समुद्री सुरक्षा सहयोग पर पहली त्रिपक्षीय बैठक हुई
28 नवंबर 2020	चौथी त्रिपक्षीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तरीय बैठक श्रीलंका में हुई
9-10 मार्च 2022	मालदीव में पाँचवीं बैठक हुई; मॉरीशस नया सदस्य था, जबकि बांग्लादेश और सेशेल्स पर्यवेक्षक थे
30 अगस्त 2024	कोलंबो में CSC चार्टर और सचिवालय की स्थापना के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए
नवंबर 2026	छह सदस्य देशों वाला मंच आठवीं बैठक और नए सहयोग रोडमैप तक पहुँचा

चार्टर किसी संगठन के उद्देश्यों और कामकाज का आधार-दस्तावेज़ है। **सचिवालय** बैठकों के बीच कार्यक्रमों और समन्वय को आगे बढ़ाने वाला संस्थागत ढाँचा है। श्रीलंका सचिवालय की मेजबानी करेगा; 2024 में कोलंबो में सचिवालय-समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

भारत के लिए महत्व

पड़ोसी सहयोग: समुद्री पड़ोसियों के बीच नियमित संवाद साझा चुनौतियों पर विश्वास और समन्वय बढ़ाने का साधन है। छोटे, मुद्दा-आधारित समूह को लघु-बहुपक्षीय मंच कहा जाता है। CSC इस प्रकार के सहयोग का उदाहरण है।

सुरक्षा का व्यापक अर्थ: पाँच स्तंभ समुद्री सुरक्षा के साथ साइबर सुरक्षा, संगठित अपराध और आपदा राहत को जोड़ते हैं। इसलिए मंच को केवल किसी दूसरे देश के विरुद्ध बने गठबंधन के रूप में समझना इसके घोषित कार्यक्षेत्र को सीमित कर देगा।

MAHASAGAR दृष्टि: भारत ने CSC को अपनी पड़ोसी पहले नीति और MAHASAGAR दृष्टि से जोड़ा है। MAHASAGAR का पूरा रूप **Mutual and Holistic Advancement for Security and Growth Across Regions** है। इसका आशय विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक तथा समग्र उन्नति है। प्रधानमंत्री ने मार्च 2025 में मॉरीशस में इस दृष्टि को प्रस्तुत किया था।

CSC और IORA में अंतर

CSC को हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA) की बैठक से नहीं मिलाना चाहिए। CSC का यह आयोजन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर का था। IORA के आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार नई दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक **25-26 नवंबर 2026** और 25वीं मंत्रिपरिषद बैठक **27 नवंबर 2026** निर्धारित थी। दोनों अलग मंच और अलग बैठकें हैं।

चुनौतियाँ और आगे की राह

क्रियान्वयन: रोडमैप तभी उपयोगी होगा जब गतिविधियों की जिम्मेदारी, संसाधन और समीक्षा स्पष्ट हों। बैठक का दस्तावेज़ बनना और उसके लक्ष्य पूरे होना अलग चरण हैं।

क्षमता में अंतर: सदस्य देशों की प्रशासनिक, तकनीकी और परिचालन जरूरतें अलग हो सकती हैं। प्रशिक्षण और सहायता को इन्हीं जरूरतों से जोड़ना चाहिए।

निरंतरता: नियमित समीक्षा, संस्थागत संपर्क और सचिवालय की सक्रिय भूमिका सहयोग को केवल वार्षिक बैठकों पर निर्भर रहने से बचा सकती है।

आगे की राह साझा प्राथमिकताओं पर व्यावहारिक सहयोग, समयबद्ध समीक्षा और सदस्य देशों के स्वामित्व को मजबूत करने में है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. कोलंबो सुरक्षा कॉनक्लेव के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: वर्ष 2026 में इसके सदस्यों में मॉरीशस और सेशेल्स दोनों शामिल थे।

कथन 2: ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया ने आठवीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तरीय बैठक में अतिथि देशों के रूप में भाग लिया।

कथन 3: साइबर सुरक्षा तथा महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा इसके सहयोग के दायरे से बाहर हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

कथन 1 सही है। छह सदस्यों में भारत, मालदीव, मॉरीशस, श्रीलंका, बांग्लादेश और सेशेल्स शामिल हैं। कथन 2 सही है, अतिथि भागीदारी को सदस्यता नहीं समझना चाहिए। कथन 3 गलत है, साइबर सुरक्षा तथा महत्वपूर्ण अवसंरचना और प्रौद्योगिकी की सुरक्षा पाँच स्तंभों में शामिल है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

हिंद महासागर क्षेत्र में छोटे, मुद्दा-आधारित सुरक्षा मंच सहयोग को कैसे मजबूत कर सकते हैं? कोलंबो सुरक्षा कॉनक्लेव के संदर्भ में उनकी उपयोगिता और क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: CSC को साझा समुद्री और गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों पर केंद्रित क्षेत्रीय मंच के रूप में प्रस्तुत करें। आठवीं बैठक के नए रोडमैप का संक्षिप्त संदर्भ दें।

मुख्य भाग में: पाँच स्तंभों, प्रशिक्षण, सूचना-साझेदारी, आपदा राहत और सचिवालय की भूमिका समझाएँ। सदस्य देशों की अलग क्षमताओं, संसाधनों और रोडमैप को वास्तविक गतिविधियों में बदलने की चुनौती का विश्लेषण करें। भारत की पड़ोसी पहले नीति और MAHASAGAR दृष्टि से संबंध जोड़ें।

निष्कर्ष में: सहयोग की सफलता को घोषणाओं की संख्या के बजाय क्रियान्वयन, स्थानीय जरूरतों और नियमित समीक्षा से जोड़ें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

क्या सभी सदस्य देशों का हर बैठक में उपस्थित होना जरूरी रूप से सिद्ध है?

नहीं। सदस्य देशों की सूची, किसी बैठक में भागीदारी और दस्तावेज़ों के हस्ताक्षरकर्ता अलग सूचनाएँ हैं। इन्हें संबंधित आधिकारिक वक्तव्य से अलग-अलग जाँचना चाहिए।

क्या अतिथि भागीदारी से किसी देश को सदस्यता मिल जाती है?

नहीं। आठवीं बैठक में ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया अतिथि थे। सदस्यता के लिए अलग आधिकारिक निर्णय आवश्यक है।

सहयोग रोडमैप और चार्टर में क्या अंतर है?

चार्टर संगठन के उद्देश्यों और कामकाज का आधार है। रोडमैप किसी अवधि में सहयोग की गतिविधियों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की कार्ययोजना है।

स्रोत

- मालदीव राष्ट्रपति कार्यालय: आठवीं बैठक का संयुक्त वक्तव्य, 26 नवंबर 2026
- मालदीव राष्ट्रपति कार्यालय: सदस्यता और बैठक का संदर्भ, 25 नवंबर 2026
- श्रीलंका रक्षा मंत्रालय: पाँचवीं बैठक और त्रिपक्षीय यात्रा, मार्च 2022
- विदेश मंत्रालय: चार्टर और सचिवालय समझौता, 30 अगस्त 2024
- प्रधानमंत्री कार्यालय: MAHASAGAR दृष्टि, 12 मार्च 2025
- प्रसारण स्रोत: आठवीं बैठक में भारत का वक्तव्य
- IORA: नवंबर 2026 की आधिकारिक बैठक-तिथियाँ